# सहारनपुर में 100 एकड़ में विकसित हो रहा निजी औद्योगिक क्षेत्र... मेरठ में प्रयास तेज

## यूपीसीडा निजी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने पर देता है विभिन्न तरह की छूट व सब्सिडी

प्रदीप द्विवेदी • जागरण

**मेरठः** बदलते परिवेश में औद्योगिक क्षेत्रों की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन सरकार स्वयं के स्तर से औद्योगिक क्षेत्र विकसित नहीं कर पा रही है। उद्योगों को विकसित क्षेत्र में प्लाट उपलब्ध कराने के लिए निजी औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है, इसी के तहत विभिन्न योजनाएं लाई गई हैं। उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को सहारनपुर में 100 एकड़ में निजी औद्योगिक क्षेत्र की प्रक्रिया शुरू कराने में सफलता मिली है। अब विभाग ने मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, बागपत, शामली, बुलंदशहर, बिजनौर जिलों में इसके लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

यूपीसीडा की योजना के तहत सहारनपुर में बेहट तहसील के अंतर्गत बादशाही बाग में 100 एकड़ में पुलस्त्य इंडस्ट्रियल पार्क नाम से निजी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साहब सिंह पुंडीर इस औद्योगिक क्षेत्र को विकसित कर रहे हैं। इन्हें इस योजना के तहत विकास कार्य करने के लिए 80 करोड़ रुपये और डोरमेट्री के लिए 25 करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में मिलेंगे। इस जिले में दो-तीन उद्यमियों, बिल्डरों ने इस तरह के औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने में रुचि दिखाई है। यहां पर सफलता मिलते ही अब मेरठ जैसे जिलों से उम्मीद जगी है। इसलिए यूपीसीडा ने यहां के उद्यमियों व बड़े रकबे के मालिक किसानों के साथ बैठक करने व योजना समझाने की रणनीति तैयार की है। गौरतलब है कि मेरठ में प्रदेश सरकार की प्लेज योजना के तहत मवाना रोड पर 10.5 एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। खरखौदा में 39 एकड़ में इसी योजना के तहत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

**80** करोड़ रुपये मिलेंगे विकास कार्य करने के लिए, डोरमेट्री के लिए सब्सिडी के रूप में मिलेंगे 25 करोड़

**10.5** एकड़ में मवाना रोड पर प्लेज योजना के तहत विकसित किया जा रहा है औद्योगिक क्षेत्र

सहारनपुर के बादशाहीबाग में विकसित किया जा रहा निजी औद्योगिक क्षेत्र • सौ. विकासकर्ता

### यह है यूपीसीडा की योजना

- 30 एकड़ से 100 एकड़ तक 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट व विकास कार्य के लिए अधिकतम 40 करोड़ रुपये तक सब्सिडी।
- हास्टल, डोरमेट्री बनाने के लिए 25 करोड़ रुपये तक सब्सिडी
- 100 एकड़ व उससे अधिक जमीन पर 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट व विकास कार्य के लिए अधिकतम 80 करोड़ रुपये तक सब्सिडी।

मेरठ में मैंने विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया है, लेकिन इसके लिए किसी योजना से लाभ नहीं मिल सका है। अब यूपीसीडा की योजना के अंतर्गत कार्य करने का विचार है। इस संबंध में वार्ता जारी है।

-**कमल ठाकुर**, एमडी, श्रीविश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, मेरठ

---

रोजगार व औद्योगिक प्रगति के लिए मैंने यूपीसीडा की योजना के तहत निजी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कई प्रदेशों के निवेशकों ने रुचि दिखाई है। इससे जिले में बड़ा बदलाव आएगा।

-**साहब सिंह पुंडीर**, एमडी, पुलस्त्य औद्योगिक क्षेत्र, सहारनपुर

---

सहारनपुर में सफलता मिली है, इसलिए अब मेरठ व आसपास के जिलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बड़े क्षेत्रफल के निजी औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने से निवेशकों के समक्ष औद्योगिक प्लाट की समस्या हल हो जाएगी।

**राकेश झा**, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूपीसीडा